एक नजर में

गर्मी में बेजुबानों का सहारा बनीं जैन श्वेताम्बर महिला प्रकोष्ठ की सदस्य, बांटे सकोरे

मंदसौर। वर्तमान में पड़ रही भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक महिला प्रकोष्ठ द्वारा जीव दया प्रकल्प के अंतर्गत एक सराहनीय पहल की गई है। इस मानवीय प्रयास के तहत चिलचिलाती धूप में पानी की तलाश में भटकने वाले और प्यास के कारण दम तो?ने वाले बेजुबान पक्षियों की रक्षा हेतु सकोरों का वितरण किया गया। संस्था की सदस्यों ने इस भीषण गर्मी में 'अनबोले जीवों' के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करते हुए आमजन से अपील की कि वे अपने घरों की छतों और आंगन में पक्षियों के लिए पानी की उचित व्यवस्था करें ताकि प्यास से किसी भी पक्षी के प्राण न जाएं। इस सेवा कार्य के दौरान जीव दया की भावना को सर्वोपरि रखते हुए ब?ी संख्या में सकोरे वितरित किए गए। इस अवसर पर महिला प्रधान सुनीता खाबिया, नेहा बाफना, पुष्पलता चंडालिया, नीमा जैन, आशा चौधरी, सरोज चपरोत, नीलिमा सखलेचा, राखी हीगड़, श्रुति जैन, मोना कोठारी, मोना जैन, रश्मि जैतावत, आयुषी पोरवाल, अनिता चपरोत, पूजा दूग्गड, चहेती सुराणा, मुनमुन डोसी और हीना जैन सहित अन्य सदस्याएं मौजूद रहीं।

नगरीय निकाय फायर ब्रिगेड, एम्बुलेंस सहित अन्य वाहन दुरुस्त रखें : कलेक्टर अदिति गर्ग

मंदसौर। कलेक्टर अदिति गर्ग की अध्यक्षता में सोमवार को सुशासन भवन सभागार में साप्ताहिक अंतर विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती एकता जायसवाल सहित जिला अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर श्रीमती गर्ग ने निर्देश दिए कि सभी नगरीय निकायों में फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस एवं अन्य आवश्यक वाहनों को दुरुस्त स्थिति में रखा जाए। ग्रीष्मकाल को देखते हुए पेयजल व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देने तथा जल समस्याओं का तत्काल समाधान करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने सभी सीएमओ को जल स्रोतों की नियमित जांच कराने एवं पानी चोरी पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने गेहूं उपार्जन कार्य की समीक्षा करते हुए बारदानों की उपलब्धता एवं मंडी दरों की जानकारी ली तथा नोडल अधिकारियों को नियमित निरीक्षण करने एवं किसानों के भुगतान में देरी नहीं होने देने के निर्देश दिए। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को नई जल संरचनाओं के निर्माण कार्य प्रारंभ करने, जल गंगा संवर्धन अभियान की ऑनलाइन एंट्री समय पर करने, संबल योजना, भूमि आवंटन प्रकरणों की समीक्षा तथा स्वास्थ्य विभाग को फायर एनओसी संबंधी कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए गए।

मंदसौर और मल्हारगढ़ विधानसभा स्तरीय कांग्रेस बैठक में संगठन मजबूती पर मंथन

मंदसौर। जिला कांग्रेस संगठन को बूथ एवं पंचायत स्तर तक और अधिक मजबूत बनाने तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर आज मंदसौर एवं मल्हारगढ़ विधानसभा स्तर पर महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठकें सम्पन्न हुईं। बैठकों में जिला कांग्रेस प्रभारी सदाशिव यादव, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर एवं विधायक विपिन जैन ने मुख्य रूप से कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को संबोधित करते हुए संगठनात्मक मजबूती, सक्रिय जनसंपर्क एवं आगामी रणनीति को लेकर विस्तृत चर्चा की।

मंदसौर विधानसभा स्तरीय बैठक जिला कांग्रेस कार्यालय, मंदसौर में तथा मल्हारगढ़ विधानसभा स्तरीय बैठक बंजारी बालाजी मंदिर, पानपुर में आयोजित की गई। बैठकों में मंदसौर विधानसभा प्रभारी फरजाना खान, मल्हारगढ़ विधानसभा प्रभारी बंशीलाल पाटीदार, पूर्व विधायक नवकृष्ण पाटिल, वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रकाश रातड़िया, राजेश रघुवंशी, मंजीत सिंह टुटेजा, अजय लोढ़ा, अनिल शर्मा, रफत पयामी, प्रतिपाल सिंह राणा, दीपक सिंह गुर्जर, अजहर मेव, बालेश्वर पाटीदार, किशोर गोयल, रूपल संचेती सहित ब्लॉक अध्यक्षगण इष्टा भाचावत, विकास दशौरा, विनोद शर्मा, विजेश मालेचा, मुकेश धाकड़, सत्यनारायण पाटीदार, मंडलम अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठकों में ब्लॉक एवं मंडल स्तर की संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा करते हुए पंचायत कमेटियों को सक्रिय करने, आमजन से सीधा संवाद बढ़ाने तथा कांग्रेस की विचारधारा को गांव-गांव तक पहुंचाने पर विशेष जोर दिया गया। जिला प्रभारी सदाशिव यादव ने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया, वहीं जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेन्द्र सिंह गुर्जर ने आगामी कार्यक्रमों को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक के दौरान कार्यकर्ताओं ने भी अपने सुझाव रखे तथा संगठन विस्तार एवं जनहित के मुद्दों को लेकर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया।

झोलाछाप डॉक्टर पर कार्रवाई की मांग को लेकर कलेक्टर के नाम सौंपा ज्ञापन

भानपुरा। तहसील क्षेत्र के ग्राम संधारा में कथित झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के दौरान युवक की मृत्यु के मामले में कार्रवाई की मांग को लेकर पीड़ित परिवार एवं सामाजिक संगठनों ने कलेक्टर मंदसौर के नाम तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में संबंधित डॉक्टर बद्री पाटीदार एवं स्टाफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने, निजी क्लीनिक को सील करने तथा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता देने की मांग की गई।

ज्ञापन में बताया गया कि 23 अप्रैल 2026 को संधारा निवासी हरि सिंह पिता मोतीलाल भील को मधुमक्खी ने काट लिया था, जिसके बाद परिजन उन्हें गांव में संचालित निजी अस्पताल लेकर गए। आरोप है कि वहां इंजेक्शन लगाने के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और 26 अप्रैल को उनकी मृत्यु हो गई। मामले को लेकर पीड़ित परिवार द्वारा 2 मई को ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. गौरव देराश्री एवं जिला कलेक्टर को शिकायत भी दी गई थी, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाया गया है।

पीड़ित परिवार एवं संगठनों ने चेतावनी दी है कि यदि तीन दिनों के भीतर कार्रवाई नहीं हुई तो कलेक्टर कार्यालय के बाहर अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान भीम आर्मी के पूर्व जिला प्रभारी विजय धमानिया, जयस तहसील अध्यक्ष रामचंद्र खनेरिया सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण एवं संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

इधर, मामले में कार्रवाई नहीं होने को लेकर स्थानीय लोगों में भी नाराजगी दिखाई दे रही है। बताया जा रहा है कि ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर द्वारा जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

इस संबंध में नायब तहसीलदार सुनील अग्रवाल ने बताया कि कलेक्टर के नाम ज्ञापन प्राप्त हुआ है, जिसे तहसील कार्यालय भानपुरा से अग्रेषित कर दिया गया है।

एक नजर | किसान, मजदूर और ग्रामीणों ने बिजली विभाग के कार्यालय का किया घेराव

किसानों ने फर्जी प्रकरण-मनमानें बिलों का लगाया आरोप

पिपलियामण्डी। किसान नेता श्यामलाल जोकचन्द्र के नेतृत्व में सोमवार को किसानों, मजदूरों एवं ग्रामीणों ने मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यालय मंदसौर का घेराव कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने बिजली विभाग एवं विजिलेंस टीम पर फर्जी बिजली चोरी के प्रकरण दर्ज करने, गलत बिजली बिल देने तथा किसानों के साथ अमानवीय व्यवहार करने के आरोप लगाए। बाद में मुख्यमंत्री के नाम अधीक्षण यंत्री को ज्ञापन सौंपा गया।

किसानों का आरोप था कि बिना निष्पक्ष जांच के किसानों को थानों में बैठाया जा रहा है तथा कई मामलों में गिरफ्तारी कर हथकड़ी लगाई जा रही है। ज्ञापन में जलोदिया गांव के किसान रामप्रसाद मेघवाल एवं नंदराम मेघवाल के मामले का उल्लेख करते हुए कहा गया कि वैध बिजली कनेक्शन होने के बावजूद उन पर बिजली चोरी का प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की गई, जिससे किसानों में आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने विभाग पर गलत एवं अत्यधिक बिजली बिल देने, जर्जर बिजली व्यवस्था सुधार नहीं करने तथा आबादी क्षेत्र से गुजर रही हाईटेंशन लाइनों से खतरा बने रहने के आरोप भी लगाए। किसान नेता ने चेतावनी दी कि यदि समस्याओं का समाधान नहीं हुआ तो व्यापक आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन में फर्जी प्रकरण वापस लेने, विजिलेंस कार्रवाई की निष्पक्ष जांच, गलत बिजली बिलों में राहत तथा किसानों के साथ दुर्व्यवहार करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की गई। प्रदर्शन में बड़ी संख्या में किसान, मजदूर एवं ग्रामीणजन मौजूद रहे।

नीमच

एक नजर में

जिले में इस साल संतरा फलोद्यान का रकबा 1500 हेक्टेयर बढ़ाएं : चंद्रा

नीमच। जिले में इस वर्ष किसानों को प्रेरित कर संतरा फलोद्यान का रकबा 1500 हेक्टेयर बढ़ाने के विशेष प्रयास करें। साथ ही हर एक पंचायत में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (पीएमएफएमई) के तहत न्यूनतम एक खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करवाया जाए। सभी विभागों के अधिकारियों से समन्वय कर उन्हें किसानों को प्रेरित कर, किसानों से संवाद के कार्य में लगाकर, मिट्टी परीक्षण करवाने का अभियान चलाए तथा जिले में 10 हजार से अधिक किसानों के खेतों में मिट्टी का नमूना लेकर, स्वाईल हेल्थ कार्ड बनाए। बैठक में कलेक्टर ने किसानों को ई-विकास पोर्टल/ ई-टोकन के माध्यम से ही उर्वरक का वितरण करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा, कि कृषि विभाग के अधिकारी गत वर्ष अधिक उर्वरक का उपयोग करने वाले किसानों से संवाद कर, उन्हें मृदा परीक्षण के आधार पर उर्वरक का न्यूनतम उपयोग करने के लिए प्रेरित करें। कलेक्टर ने सोयाबीन के स्थान पर मक्का व मूंगफली की उपज लेने के लिए भी किसानों को प्रेरित करने और आवश्यकता के अनुसार उन्हें मक्का व मूंगफली बीज उपलब्ध करने के निर्देश भी उप संचालक कृषि को दिए है। बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, डेयरी व अन्य विभागों द्वारा संचालित योजनाओं की भी समीक्षा की गई। ब

जीरन कृषि उपज मंडी में लहसुन उत्पादक किसानों से वैज्ञानिकों ने किया संवाद

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चंद्रा के निर्देशानुसार जीरन कृषि उपज मंडी में सोमवार को लहसुन उत्पादक किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों एवं अधिकारियों द्वारा कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। पृष्ठभूमि : उल्लेखनीय है, कि 30 अप्रैल को कलेक्टर चंद्रा द्वारा जीरन कृषि उपज मंडी का निरीक्षण कर लहसुन शेड में किसानों से सीधे संवाद किया गया था। इस दौरान राजस्थान से आए किसान बजेराम सहित अन्य लहसुन उत्पादकों ने लहसुन की गुणवत्ता प्रभावित होने, काली पड़ने, सेंटेड होने तथा भंडारण के बाद हरी होने जैसी समस्याओं से अवगत कराया था। कलेक्टर द्वारा किसानों को आश्वस्त किया गया था कि कृषि वैज्ञानिकों के माध्यम से इन समस्याओं का वैज्ञानिक समाधान कराया जाएगा तथा रोग नियंत्रण एवं जागरूकता के लिए विशेष अभियान चलाया जाएगा। साथ ही मंडी सचिव को किसानों की संगोष्ठी आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए थे। इसी क्रम में सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र नीमच के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ.सी.पी. पचौरी, वैज्ञानिक पौध संरक्षण डॉ. श्याम सिंह सारंगदेवोत एवं आत्मा परियोजना के प्रभारी परियोजना संचालक डॉ. यतिन मेहता जीरन मंडी पहुंचे तथा किसानों से विस्तृत चर्चा की। किसानों ने लहसुन में इस वर्ष देखने को मिली विभिन्न समस्याओं जैसे सेंटेड होना, काला पड़ना, खुदाई के बाद हरा होना एवं अन्य रोगों से संबंधित समस्याएं रखीं।

भारत विकास परिषद् का आत्मरक्षा शिविर सफलता के साथ संपन्न

बेटियों ने दिखाया शौर्य

नीमच। सेवा संस्कार में अग्रणी भारत विकास परिषद्, शाखा नीमच द्वारा आयोजित तीन दिवसीय नि:शुल्क आत्मरक्षा एवं खेलकूद शिविर का सीएसवी अग्रोहा भवन में भव्य समापन हुआ। इस समापन समारोह में नगर की बालिकाओं ने लाठी और तलवार संचालन कर शौर्य और साहस का हैरतअंगेज प्रदर्शन कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया।

मीडिया प्रभारी मनोज माहेश्वरी ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर के अंतिम दिन, 8 से 19 वर्ष की बालिकाओं ने उज्जैन की प्रसिद्ध आत्मरक्षा शिक्षिका प्रांतीय महिला प्रमुख श्रीमती पूजा चित्तोड़ा एवं उनकी सहयोगी बालिकाओं सम्रद्धि चित्तोड़ा, कनिष्का जायसवाल एवं सलोनी कुशवाह के मार्गदर्शन में सीखे गए गुरों का प्रदर्शन किया। मुख्य आकर्षण एकरूपता के साथ सफ़ेद कुरते और नारंगी दुपट्टे धारण किये गए हुए बालिकाओं द्वारा किया गया पारंपरिक शस्त्र संचालन (लाठी एवं तलवार प्रदर्शन) रहा, जिसे देख अतिथियों ने बेटियों के साहस की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। प्रशिक्षण में आधुनिक आत्मरक्षा के साथ-साथ विभिन्न खेलकूद एवं व्यायाम गतिविधियाँ भी शामिल रहीं।

समारोह की विशिष्ट बात यह रही कि प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली बालिकाओं में बड़े उत्साह के साथ नायशा खंडेलवाल - महारानी लक्ष्मीबाई, स्वस्ति धनोतिया - स्वामी विवेकानंद, मनस्वी राज चंद्रावत - छत्रपति शिवाजी, आयुषी अग्रवाल - अहिल्या बाई का रूप धारण करके आये और प्रशिक्षण सहयोगी बालिकाओं सम्रद्धि चित्तोड़ा, कनिष्का जायसवाल एवं सलोनी कुशवाह के पारंपरिक शस्त्र संचालन लाठी एवं तलवार प्रदर्शन को देखकर परिषद् की वरिष्ठ सदस्या श्रीमती सुचित्रा दिलीप सिंह परिहार से भी रहा नहीं गया और उन्होंने भी तलवार संचालन का साहसिक प्रदर्शन किया जिसे सभी ने सराहा।

शिविर में शामिल समस्त प्रतिभागी बालिकाओं को परिषद् परिवार की ओर से सहभागिता के लिए प्रशंसा पत्र से सम्मान करते हुए सभी प्रशिक्षु बालिकाओं को एक - एक लाठी भेंट की ताकि उनमें आत्मविश्वास की भावना जागृत रहे और वे निरंतर इसका अभ्यास करती रहें। परिषद् की ओर से मात्र 3 दिनों में ही प्रशिक्षण में पारंगत हो चुकी 25 बालिकाओं को उपहार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन भी किया गया। सायं 5:00 बजे आयोजित समापन समारोह में प्रशिक्षु बालिकाओं के जोश और ऊर्जा से भरपूर इस समारोह में विशिष्ट अतिथि श्री निर्मल जी जैन 'रारा' ने अपने संबोधन में कहा कि वर्तमान समय में बेटियों का आत्मनिर्भर और सशक्त होना अनिवार्य है।

इस अवसर पर मध्य भारत पश्चिम के रीजनल सचिव संपर्क श्री प्रदीप चोपड़ा, प्रांतीय संरक्षक श्री सुनील सिंहल, प्रांतीय उपाध्यक्ष श्री अशोक मंगल, नगर समन्वयक श्री राजेश गट्टानी एवं श्रीमती सुचित्रा परिहार, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती स्वाति गौरव चोपड़ा सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षु बालिकाओं के परिवारजन, नगर के गणमान्य नागरिक, परिषद् परिवार के सदस्य और मातृशक्ति उपस्थित रही।

सभी केंद्रों से खरीदे गेहूं का तुरंत परिवहन कर भण्डारण सुनिश्चित करें : कलेक्टर चंद्रा

कलेक्टर ने की उपार्जन कार्य की समीक्षा

नीमच। जिले के सभी उपार्जन केंद्रों पर अब तक खरीदी गई उपज का परिवहन कर, भण्डारण की तत्काल व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ट्रांसपोर्टर, परिवहन के लिए वाहनों की संख्या, खरीदी गई उपज के मान से उपलब्ध करवाकर, भण्डारण करवाना सुनिश्चित करें। किसी भी केंद्र पर उपार्जित उपज, परिवहन के लिए लंबित ना रहे। यह निर्देश कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार को जिले में समर्थन मूल्य पर उपार्जन कार्य की केंद्रवार समीक्षा करते हुए दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव, नागरिक आपूर्ति अधिकारी श्री आर.एन.दिवाकर, , उप संचालक कृषि दिनेश मण्डलोई, सहायक आयुक्त सहकारिता राजू डाबर, जिला केंद्रीय सहकारी बैंक के आर.पी. नागदा, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रवार अब तक खरीदी गई उपज की मात्रा, परिवहन की गई उपार्जित उपज की मात्रा व परिवहन से शेष रही उपज की मात्रा, गोदामों में भण्डारित उपज की मात्रा, स्लाट बुकिंग, उपार्जन से शेष रहे किसान एवं आगामी दिनों में सम्भावित उपार्जित होने वाली उपज की मात्रा एवं किसानों की संख्या आदि की जानकारी ली।

एक नजर | सड़क हटाने और विद्युत पोल शिफ्ट करने के निर्देश, प्रशासन अलर्ट

देवरी खवासा में फिर गरमाया जमीन विवाद

मनासा। तहसील के ग्राम देवरी खवासा में लंबे समय से चल रहा भूमि विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड मनासा न्यायालय के आदेश के बाद संबंधित भूमि पर कब्जा दिलाने की कार्रवाई की तैयारी शुरू कर दी गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नरहरी शर्मा पिता स्व. घासीराम शर्मा ने सार्वजनिक सूचना जारी कर बताया कि ग्राम देवरी खवासा स्थित सर्वे नंबर 1437, 1438 एवं 1439 की भूमि उनके स्वामित्व की है। उक्त भूमि पर न्यायालय के आदेशानुसार कब्जा दिलाने की कार्रवाई की जा रही है।

सूचना में यह भी उल्लेख किया गया है कि कार्रवाई के दौरान आंत्रीमाता-देवरी खवासा मार्ग कुछ समय के लिए अवरुद्ध हो सकता है, जिससे आमजन को आवागमन में असुविधा हो सकती है। नरहरी शर्मा ने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई न्यायालय के आदेश के पालन में की जा रही है।

न्यायालय द्वारा जारी आदेश में संबंधित पक्ष को विवादित भूमि पर बनाए गए सड़क मार्ग को हटाने तथा पश्चिम दिशा में स्थित विद्युत पोल को हटाकर रास्ता चौड़ा करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि भूमि स्वामी को कब्जा सौंपा जा सके। आदेश में यह भी कहा गया है कि निर्धारित समय में निर्देशों का पालन नहीं होने पर संबंधित पक्ष स्वयं के खर्च पर सड़क हटाने के लिए जिम्मेदार होगा।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों एवं पुलिस विभाग को भी सूचना दे दी गई है। क्षेत्र में पूरे मामले को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो।